किस्तों में खरीददारी

इस अध्याय में हम किसी भी वस्तु को खरीदने के लिए उनका भुगतान कैसे-कैसे कर सकते है पढेंगे |

नकद भुगतान :- किसी वस्तु का पूरा मूल्य चुकाकर हम वस्तु को खरीद सकते है |

किस्तों में खरीदना :- यदि हम उस वस्तु का पूरा मूल्य उस समय नहीं दे पा रहे है तो हम उस वस्तु को खरीदने के लिए टुकड़ो में पैसे देकर खरीद सकते है इसे ही किस्तों में ख़रीदना कहते है |

किस्तों में खरीदने पर हमें नकद मूल्य से अधिक रूपये चुकाने होते है क्योंकि इसमें ब्याज का पैसे भी जुड़ते है |

जैसे- किस्तों में बाइक ख़रीदना,

मकान बनाने के लिए बैंक से लोन लेना,

शिक्षा के लिए लोन लेना,

बैंक से पर्सनल लोन लेना,

इत्यादि सभी का भुगतान करते समय हम मासिक किस्तों में पैसे लोटाते है |

पाठ से संबंधित शब्दों की जानकारी :-

- **तत्काल अदायगी** = तुरंत भुगतान
- **ब्याज की दर** = ब्याज की दर
- **किस्त योजना** = किस्तों में खरीदना
- **मासिक किस्त** = महीने की क़िस्त
- **तिमाही संयोजित** = तीन महीने में जोड़ना
- **छमाही संयोजित** = छह महीने में जोड़ना
- **प्रतिमाह** = प्रत्येक महीने
- **अर्धवार्षिक** = आधे वर्ष की, या 6 माह की